ASSIGNMENT
MA HIND – 501

निर्देश (१) प्रश्न संख्या १ अनिवार्य है तथा शेष प्रश्नो मे से किन्ही नौ प्रश्नो के उत्तर लिखिए।

पुर्णांक: १००

प्रश्न १ निम्नलिखित पधांश का सप्रसंग व्याख्या लिखिए।

दुख की पिच्ली रजनी बीच
विकसता सुख का नवल प्रभात;
एक परदा यहा झीना नील
चिपाये है जिसमे सुख गाता ।
जिसे तुम समझे हो अभिशाप ।
जगत कि ज्वालाओ का मूल;
ईश का यहा रहस्य वरदान
कभी मत जाओ इसको भूल ।

अथवा

कई दिनो तक चूल्हा रोया, चक्की रही उदास
कई दिनो तक कानी कुतिया सोई उनके पास
कई दिनो तक लगी भीत पर चिपकलियो की गश्त
कई दिनो तक चूहो की भी हालत रही शिकस्त
X X X X
चमक उठी घर भर की आंखे कई दिनो के बाद
कौए ने खुजलाई पांखे कई दिनो के बाद ।

प्रश्न २ पठित कविता के आधार पर भारतेंन्दु हरिश्चंद्र के काव्यगत विशेषताओ को बतलाइए ।

प्रश्न ३ 'साकेत'के आधार पर उर्मिला की विरह का विस्तारपूर्वक विवेचना कीजिए ।

प्रश्न ४ छायावादी काव्य के विशेषताओ के आलोक मे जयशंकर प्रसाद के काव्य का मूल्यांकन कीजिए ।

प्रश्न ५ निराला कृत 'राम की शक्ति पूजा' का प्रतिपाध्य अपने शब्दो मे लिखिए ।

प्रश्न ६ महादेवी वर्मा के काव्य मे वर्णित वेदना की भावना को सोदाहरण समझाइए ।

प्रश्न ७ प्रयोगवादी कव्य की काव्यगत विशेषताओ को विस्तार से समझाइए ।

प्रश्न ८ 'अंधेरे मे' कविता मध्य वर्ग की अस्मिता की खोज का प्रयास है । विस्तार से समझाइए ।

प्रश्न ९ प्रगतिवादी चिंतना के आलोक मे नागार्जुन सहित्य का मूल्यांकन कीजिए ।

प्रश्न १० रघुवीर सहाय की काव्यगत विशेषताओ को उदाहरण सहित समझाइए ।

प्रश्न ११ नवगीत की परम्परा मे महेश्वर तिवारी का स्थान निर्धरित कीजिए ।

प्रश्न १२ 'अरुण कमला की कविताएँ समसामयिक जीवन के प्रश्नो का दस्तावेज है'। इस कथन के आलोक मे अरुण कमल के साहित्य का मुल्यांकन कीजिए ।

ASSIGNMENT
MA HIND – 502

निर्देश (१) निर्दिष्ट कार्य सभी अध्येताओ के लिये अनिवार्यहै. पुर्णाक: १००

किन्ही दस प्रश्नो के उत्तर दीजिये। १० X १०= १००

प्रश्न १ गोदान मे प्रस्तुत स्त्री चेत्ना का विस्तार से विवेचन कीजिए ।

प्रश्न २ गोदान मे पात्र योजना कि विशेष्ताओ का विस्तार से वर्णन कीजिए।

प्रश्न ३ हिंदी नाटको कि विकास यात्रा का विस्तार से विवेचन कीजिए।

प्रश्न ४ "अंधेर नगरी" मे वर्णित यथार्थ बोध का समीक्षात्मक विवेचन कीजिए।

प्रश्न ५ नात्य शिल्प की दृष्टि से अंधेर नगरी नाटक की विशेषतओ का वर्णन कीजिए।

प्रश्न ६ अभिनेयता की कसौटी पर आधे-अधूरे नाटक कि विशेषताओ का विस्तार से विवेचन कीजिए।

प्रश्न ७ निबंध शैली की दृष्टि से आचार्य रामचंद्र शुक्ल के निबंध की विशेषताओ का विश्लेषण कीजिए।

प्रश्न ८ आचार्य हजारी प्रसाद दिव्वेदी द्वारा बनाये गए साहित्य्कारो मे मुख्य दायित्वो का विस्तार से विवेचन कीजिए।

प्रश्न ९ 'उसने कहा था' कहानी का सार एवम चंद्रधर शर्मा गुलेरी की कहानी कला की विशेषताए लिखिए।

प्रश्न १० 'यही सच है' कहानी का सार एवम मूल सम्वेदना पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न ११ रेखाचित्र के तत्वो के आधार पर 'भाभी' का मूल्यांकन कीजिए।

प्रश्न १२ आत्मकथा का स्वरूप स्पष्ट करते हुए 'गुड़िया भीतर गुड़िया'का आत्मकथा के तत्वो के आधार पर मूल्याकन कीजिए।

ASSIGNMENT
MA HIND-503

निर्देश (१) निर्दिष्ट कार्य सभी अध्येताओ के लिये अनिवार्यहै. पुर्णाक: १००

किन्ही दस प्रश्नो के उत्तर दीजिये। १० X १०= १००

प्रश्न १ भारतीय साम्विधान के अनुच्छेद ३४३ से ३५१ तक मे दिए गए राजभाषा सम्बंधी प्राव्धानोका विस्तृत वर्णन कीजिए।

प्रश्न २ राजभाषा अधिनियम (संशोधित १९६७) पर विस्तृत प्रकाश डालिए।

प्रश्न ३ राजभाषा अधिनियम १९७६ का सविश्तार वर्णन कीजिए।

प्रश्न ४ प्रारूपण के अर्थ और परिभाषा का वर्णन करते हुए इसके प्रकारो एवम नियमो पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न ५ पल्लवन के प्रकार अव्म नियमो पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न ६ अनुवाद के स्वरुप अथवा प्रकार अवम प्रक्रिया का विस्तृत वर्णनकीजिए।

प्रश्न ७ कामलियी सामग्री के अनुवाद अव्म समस्याओ का विस्तृत वर्णन कीजिए ।

प्रश्न ८ साहित्यिक अनुवाद के सिध्दांत अव्म व्यवहार का वर्णन कीजिए ।

प्रश्न ९ समाचार की परिभाषा अव्म समाचार लेखन पर विस्तृत प्रकाश डालिए ।

प्रश्न १० फीचर लेखन एव्म फीचर लेखन के सहायक तत्व एव्म प्रमुख चरणो का वर्णन कीजिए ।

प्रश्न ११ दुभाषिया की भूमिका और कार्यक्षेत्र पर प्रकाश डालिए ।

प्रश्न १२ अनुवाद एव्म आशु अनुवाद मे अंतर पर प्रकाश डालिए ।

ASSIGNMENT
MA HIND-504

निर्देश (१) निर्दिष्ट कार्य सभी अध्येताओ के लिये अनिवार्यहै. पुर्णाक: १००

किन्ही दस प्रश्नो के उत्तर दीजिये। १० X १०= १००

प्रश्न १ काव्य के लक्षणो की व्याख्या करते हुए इन लक्षणो के संस्थापको का प् परिचय दीजिए ।

प्रश्न २ साधारणीकरण से आप क्या समझते है? साधारणीकरण की प्रक्रिया को विस्तार से समझाइए ।

प्रश्न ३ काव्य शास्त्र मे अलंकार सम्प्रदाय की स्थापना एव्म उसके सिध्दांतो का विस्तृत विवेचन कीजिए ।

प्रश्न ४ रीति से आप क्या समझते है ? रीति और शैली के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए ।

प्रश्न ५ वक्रोक्ति काव्य के कितने भेद है ? विस्तार से विवेचन कीजिए ।

प्रश्न ६ अरस्तू द्वरा प्रस्तुत 'अनुकरण' की प्रवृत्ति का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।

प्रश्न ७ लोजाइनस की उदात्ता की अवधारणा का विस्तार से विश्लेषण कीजिए ।

प्रश्न ८ निर्वैयाक्तितावाद के सिध्दांत की विस्तृत व्याख्या कीजिए ।

प्रश्न ९ हिंदी साहित्य मे काव्यशास्त्रीय चिंतन एव्म हिंदी आलोचना की विकास यात्रा का विस्तार से विवेचन कीजिए ।

प्रश्न १० मार्क्सवादी आलोचना की प्रवृति एव्म विशेषताओ का विस्तार से विश्लेषण कीजिए ।

प्रश्न ११ शिवदान सिंह की आलोचना शैली की समीक्षा कीजिए ।

प्रश्न १२ मुक्तिबोध के काव्य मे मार्क्सवादी मूल्यो का विश्लेषण कीजिए ।